RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 30 दिसंबर 2024 वर्ष 06 अंक 257 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

प्रतिदिन ६.८६ लाख लीटर पानी सड़क पर बहाया जा रहा है

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

नए साल से पहले महाराष्ट्र सरकार ने महिलाओं को दिया तोहफा

लाडकी बहिन योजना की छठवीं किस्त जारी...

मुंबईः महाराष्ट्र की महायुति सरकार की महत्वाकांक्षी लाडली बहन योजना को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्ववाली महायुति सरकार ने राज्य की 2.46 करोड़ महिलाओं को योजना के तहत दिसंबर महीने की छठवीं किस्त का भुगतान कर दिया है। इस पर सरकार को 3,689 करोड़ रुपये खर्च करना पड़ा। बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन वाली महायुति सरकार के पहले कार्यकाल में लाई गई ह्यमुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिणह्ल (लाडली बहन) योजना के तहत सरकार ने महिलाओं को जुलाई 2024 से नवंबर 2024 तक के 5 महीनों का पैसे का भुगतान विधानसभा चुनाव से पहले ही कर दिया था। लेकिन विधानसभा चुनाव में महायुति की महाजीत और देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद योजना की छठवीं किस्त को लेकर तरह-तरह के दावे-प्रतिदावे किए जा रहे थे। हालांकि फडणवीस सरकार ने दिसंबर महीने के अंत में योजना की छठवीं किस्त की रकम जारी करके बहनों को पहले ही नए साल का तोहफा दे दिया। विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता के कारण लाडली बहन योजना पर ब्रेक लग गया था। लेकिन चुनाव के बाद बनी महायुति सरकार

2.0 के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीते सप्ताह योजना की छठवीं किस्त का भुगतान जल्द शुरू करने की घोषणा की थी। सरकार की ओर से दावा किया गया है कि 31 दिसंबर तक सभी लाभार्थी महिलाओं के खाते में 1500 रुपए डाल दिए जाएंगे। लाभार्थी महिलाओं को उसी घोषणा के अनुरूप सरकरा ने पैसों का भुगतान किया है।

बढ़ गईं 12 लाख बहने

हालांकि अक्टूबर महीने में की गई पांच किस्तों की तुलना में दिसंबर में लाभार्थी महिलाओं की संख्या बढ़ गई है। अक्टूबर तक बैंक अकाउंट से आधार कार्ड लिंक नहीं होने के कारण लाखों महिलाओं को लाभ नहीं मिल सका था। लेकिन बाद में आधार कार्ड लिंक करानेवाली 12 लाख और महिलाएं लाडली बहन योजना की लाभार्थियों में जुड़ गई हैं। सरकार ने इन 12 लाख महिलाओं को योजना की 6 किस्तों का पैसा एक साथ ही दिया है। जुलाई से लागू की गई इस योजना के तहत सरकार अब तक करीब 21,600 करोड़ रुपये बांट चुकी है। सूत्रों का दावा है कि योजना की लाभार्थी महिलाओं की संख्या और बढ़ सकती है। क्योंकि सरकार योजना के तहत पंजीकरण एक बार फिर से शुरू करने की योजना बना रही है।

नए बजट में बढ़ेगा पैसा

विधानसभा चुनाव 2024 के प्रचार के दौरान महायुति के नेताओं ने योजना का पैसा 1500 रुपए से बढ़ाकर 2100 रुपए करने का आश्वासन दिया था। इसलिए लोगों में छठवीं किस्त की रकम को लेकर भी उत्सुकता थी। हालांकि सरकार फिलहाल 1500 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से ही बहनों को भुगतान कर रही है लेकिन महिला व बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने मंगलवार को इस बारे में कहा था कि मार्च 2025 में पेश होने वाले नए बजट में सरकार योजना की राशि बढ़ाने पर विचार करेगी।

गोरेगांव में पहाड़ी पर लगी आग

मुंबई : मुंबई के गोरेगांव इलाके में एक पहाड़ी ढलान पर रविवार आधी रात के बाद आग लग गई। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। आग देर रात 12.14 बजे भड़की। आग गोरेगांव (पूर्व) में एक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पार्पछे स्थित पहाड़ी ढलान पर लगभग 1.5 किलोमीटर क्षेत्र में सूखी पत्तियों, झाड़ियों और पेड़ों में लगी थी। आग को देर रात 2.35 बजे बुझा दिया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

कपड़े उतार अश्लील वीडियो बनाया और...

महाराष्ट्र में कॉल सेंटर कर्मी से 6 लाख लूटकांड में बड़े खुलासे

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मालवणी इलाके में काल सेंटर कर्मचारी का अपहरण करके 6 लाख रुपये लूटे गए। कपड़े उतारकर उसका अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने पुलिस अधिकारी के रिश्तेदार सहित 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला जबरन वसूली का निकला। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान एंजेल गोम्स (25) और आदित्य बडेकर (21) के रूप में हुई है।

गांजा की थैली पकड़ाकर न्यूड वीडियो बनाया

मालवणी के वरिष्ठ पुलिस

निरीक्षक शैलेन्द्र नागरकर ने मामले की पुष्टि की और बताया कि फरयादी मलाड पश्चिम मालवणी लागून रोड महाकाली एरिया निवासी है। उसे 24 दिसंबर 2024 की सुबह लगभग 3 बजे किडनैप किया गया था। आरोपी उसे गोरेगांव में निमार्णाधीन इमारत में ले गए, जहां उन्होंने गांजा की थैली पकड़ा कर उसका नग्न वीडियो बनाया। इसके बाद आरोपियों ने उसे अगली शाम रिहा कर दिया और धमकी दी कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो वह वीडियो वायरल कर देंगे। रिहा करने से पहले उन्होंने पीड़ित के खाते से 6 लाख रुपये से अधिक ट्रांसफर कर लिए।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी गोम्स उसके साथ कॉल सेंटर में काम करता था। उसे अप्रैल महीने में कॉल सेंटर से निकाल दिया गया था। गोम्स को लगता था कि उसकी नौकरी उसकी वजह से गई। इसलिए उसने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने यह भी बताया कि बडेकर ने उसके घर के बाहर उसे पकड़ लिया था। कुछ ही समय बाद गोम्स पहुंचा, जिसने उसके साथ मारपीट की और उसे गोरेगांव निमार्णाधीन बिल्डिंग में ले गया। वे उसे ATM ले गए और जबरन पैसे निकलवा लिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया।

मुंबई में हाजी अली के पास शॉपिंग सेंटर में लगी आग

मुंबई : मुंबई में हाजी अली के पासमें हाजी अली के पास एक शॉपिंग सेंटर में आग लग गई। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा कि आग हीरा पन्ना शॉपिंग सेंटर की दो बंद दुकानों तक सीमित थी। आग के कारण इमारत के भूतल पर भारी धुआं भर गया। अधिकारी ने बताया कि एक हौज लाइन, चार मोटर पंपों और अन्य उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में हॉस्पिटल के गार्ड की पीट-पीटकर हत्या...

दवाई दुकान पर काम करने वाले अकाउंटेंट गिरफ्तार...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के लातूर शहर के एक अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा गार्ड की हत्या के सिलसिले में पुलिस ने एक लेखाकार (46) को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही हत्या के मामले में मुख्य आरोपी एक चिकित्सक और उसके भतीजे सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

गार्ड की पीट-पीटकर हत्या

अधिकारी ने बताया कि 'आइकॉन' अस्पताल के सुरक्षा गार्ड बालू भारत डोंगरे (35) की 11 दिसंबर को बुरी तरह पिटाई के बाद मौत हो गई थी, जिसके बाद अस्पताल के मालिक डॉ. प्रमोद घुगे और उनके भतीजे अनिकेत मुंडे के खिलाफ शिवाजीनगर थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।

लेखाकार गिरफ्तार

घुगे को 23 दिसंबर को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित एक आश्रम से पकड़ा गया था जबकि मुंडे को 25 और 26 दिसंबर की दरमियानी रात को यहां से गिरफ्तार किया गया। शिवाजीनगर थाने के अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को शहर के राजीव गांधी चौक के पास अस्पताल में एक दवाई की दुकान पर लेखाकार के तौर पर काम करने वाले जयराम देवीदास कांबले को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, घुगे ने कथित तौर पर डोंगरे को एक 'लिफ्ट' ठेकेदार के अपहरण में शामिल किया और बाद में उसे पैसे देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण विवाद हुआ और बाद में उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घुगे और मुंडे को 30 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

दुर्भाग्यपूर्ण राजनीति...

यह अच्छा नहीं हुआ कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के पहले ही उनके स्मारक को लेकर विवाद खड़ा कर दिया गया। इस विवाद से हर हाल में बचा जाना चाहिए था और इसकी कोशिश सभी को करनी चाहिए थी। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जब सभी की प्राथमिकता पूर्व प्रधानमंत्री को पूरे सम्मान के साथ अंतिम विदाई देना होनी चाहिए थी, तब कांग्रेस एवं कुछ और दलों ने अंत्येष्टि और स्मारक स्थल के बहाने उनके अपमान का आरोप खोज निकाला। यह तो एक तरह से पूर्व प्रधानमंत्री का निरादर ही है। कांग्रेस की ओर से जिस तरह इस पर जोर दिया गया कि मनमोहन सिंह देश के पहले सिख प्रधानमंत्री थे, उससे राजनीतिक संकीर्णता ही रेखांकित हुई। लगता है यह संकीर्णता सिख वोटों को ध्यान में रखकर की गई और इसीलिए आम आदमी पार्टी एवं शिरोमणि अकाली दल ने भी इस विवाद में कूदने में देर नहीं की। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विधानसभा चुनाव का सामना करने जा रही दिल्ली में अच्छी-खासी सिख आबादी है और पंजाब में तो सिख वोटों के लिए राजनीति होती ही है। राजनीतिक दल यह ध्यान रखें तो बेहतर कि मनमोहन सिंह इसलिए प्रधानमंत्री पद तक नहीं पहुंचे थे, क्योंकि वह सिख थे। यदि उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जानी है तो उनके स्मारक को लेकर जो विवाद उठा, उसे यथाशीघ्र शांत किया जाना चाहिए। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि राष्ट्रीय नेताओं और विशेष रूप से राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के अंतिम संस्कार एवं उनके स्मारकों पर कोई स्पष्ट नीति और नियम बनने चाहिए, ताकि किसी संशय और विवाद के लिए गुंजाइश न रहे। स्मारकों को लेकर स्पष्ट नीति और नियमों की आवश्यकता इसलिए महसूस हो रही है, क्योंकि दिल्ली में राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के स्मारक अलग-अलग जगह और भिन्न-भिन्न क्षेत्रफल में बने हुए हैं। समझना कठिन है कि यह भिन्नता क्यों है? आखिर सभी प्रधानमंत्रियों के स्मारक एक जैसे क्यों नहीं होने चाहिए? यही प्रश्न राष्ट्रपतियों के स्मारकों को लेकर भी उठेगा। एक सवाल यह भी उठेगा कि जहां प्रधानमंत्री के स्मारक हैं, वहां सांसद संजय गांधी का स्मारक किस नियम से बना?

कांग्रेस को यह आभास हो जाए तो अच्छा कि ऐसे अधिकतर प्रश्नों का उत्तर उसे ही देना होगा। ऐसा करते हुए उसे यह भी बताना होगा कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव का अंतिम संस्कार दिल्ली में क्यों नहीं होने दिया था? उनके परिवार को उनका अंतिम संस्कार हैदराबाद में करना पड़ा था। बाद में मोदी सरकार ने दिल्ली में उनका स्मारक बनवाया।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

शताब्दी हॉस्पिटल के मुख्य वैधकीय अधिकारी की लापरवाही की वजह से इन महिलाओं को मजबूरन पुरुष कर्मचारियों से इलाज कराना पड़ता है

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका द्वारा संचालित एक ऐसा भी अस्पताल है, जिसको सफाईकर्मी व ट्रेनिंग डॉक्टर चला रहे हैं। जी हां, गोवंडी का शताब्दी अस्पताल। जहां एक ओर अहम टेस्ट करने के लिए कोई टेक्नीशियन नहीं है। अस्पताल के लेबर वॉर्ड में पुरुष ट्रेनी डॉक्टर महिलाओं की डिलिवरी करा रहे हैं। इस मामले को उजागर पूर्व नगरसेविका रुखसाना सिद्दीकी ने किया। अस्पताल की अव्यवस्था की शिकायत मिलने पर उन्होंने अपना हुलिया बदलकर अस्पताल पहुंचां और मनपा स्वास्थ्य विभाग की पोल खोली। रुखसाना सिद्दीकी के अनुसार, उनको महिलाओं से शिकायत मिल रही थी कि शताब्दी अस्पताल में महिलाओं की ईसीजी टेस्ट के लिए महिलाकर्मी की बजाय पुरुषकर्मी को अस्पताल प्रशासन ने नियुक्त किया है।

रुखसाना सिद्दीकी जब वेश बदलकर अस्पताल पहुंचां१ तो वहां उन्होंने पाया कि ईसीजी महिलाकर्मी नहीं, बल्कि पुरुष सफाईकर्मी इस काम को अंजाम दे रहा है, वहीं दूसरी ओर लेबर वॉर्ड में महिला डॉक्टर की जगह पुरुष ट्रेनिंग डॉक्टर महिलाओं की डिलिवरी कर रहे हैं। रुखसाना सिद्दीकी ने बताया कि अस्पताल में आने वाले मरीजों में ज्यादातर मुस्लिम व गरीब महिलाएं होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शताब्दी हॉस्पिटल के मुख्य वैधकीय अधिकारी डॉ. पाखरे की लापरवाही की वजह से इन महिलाओं को मजबूरन पुरुष कर्मचारियों से इलाज कराना पड़ता है। वहीं डॉक्टर पाखरे का कहना है कि मेडिकल में पुरुष एवं महिलाकर्मी नहीं देखा जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पहले से ही ईसीजी टेक्नीशियन की कमी है, जिसकी वजह से हमने सफाईकर्मी को ट्रेनिंग देकर इस काम के लिए रखा है। रुखसाना सिद्दीकी इस संबंध में जल्द ही मनपा आयुक्त व पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग करेंगी।

मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी पुनर्विकास 9परियोजनाओं में से एक का अनावरण

मुंबई : मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक का अनावरण किया गया है। यह एक मिश्रित उपयोग वाली परियोजना है, जिसमें तीन झुग्गी बस्तियों के निवासियों को फिर से बसाया जाएगा, इसके अलावा परियोजना से प्रभावित व्यक्ति (पीएपी) एक अलग बस्ती में रह रहे हैं। नया विकास 17 एकड़ में फैला होगा और इसमें पुनर्वासित झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए आठ टावर, फ्री-सेल फ्लैट्स वाले टावर, एक होटल और एक मॉल शामिल होंगे।

रेलवे स्टेशन पर भीड़-भाड़, यात्री सुविधाओं की कमी और यात्री सुरक्षा की अनदेखी

मुंबई : प्रभादेवी रेलवे स्टेशन के उन्नयन के लिए बीते कुछ समय से चल रही योजनाओं में गंभीर खामियां सामने आई हैं। पहले, पुराने रेलवे भवनों को ध्वस्त कर १६०० वर्ग मीटर का खुला क्षेत्र तो बन गया, लेकिन यह बदलाव केवल अस्थायी प्रतीत होता है। क्योंकि इसमें स्टेशन की वास्तविक समस्या, जैसे अत्यधिक भीड़-भाड़, यात्री सुविधाओं की कमी और यात्री सुरक्षा की अनदेखी की गई है। शौचालय और साफ-सफाई की समस्या बरकरार है। सुविधाओं के नाम पर यात्रियों को रेलवे छल रहा है।

रेलवे अधिकारियों का दावा है कि स्टेशन पर जलजमाव की समस्या को हल करने के लिए पुराने सीवरेज और जलनिकासी प्रणाली को बेहतर किया जाएगा, लेकिन यह सुधार अभी तक लागू नहीं हुआ है। ऐसे में बारिश के मौसम में पानी निकासी की समस्या फिर से उत्पन्न हो सकती है।

इसके अलावा, प्रभादेवी स्टेशन के पुनर्विकास में व्यावसायिक उपयोग के लिए कुछ हिस्सों को विकसित करने की योजना बनाई गई है। हालांकि, यह योजना यात्रियों की सुविधाओं के बजाय व्यावसायिक हितों को ज्यादा बढ़ावा देती नजर आ रही है। स्टेशन में यात्रियों के लिए आरामदायक और पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है। जैसे कि पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, शौचालय और स्वच्छता एक सपना बनकर रह गया है। इसके अलावा इस योजना में व्यावसायिक विकास और पार्किंग सुविधाओं के साथ-साथ आनेवाले समय में एक बड़े शॉपिंग सेंटर और वाणिज्यिक केंद्र के निर्माण का प्रस्ताव है, जो यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

नई सड़कें और पार्किंग ब्लॉक बनाने की योजना तो है, लेकिन इससे पहले यात्रियों की सुविधाओं की कोई ठोस योजना सामने नहीं आई है। इस विकास कार्य के लिए समय सीमा का स्पष्ट रूप से निर्धारण भी नहीं किया गया है और न ही इसके लिए पहले से कोई दीर्घकालिक योजना ही तैयार की गई है, जिसका खामियाजा प्रति दिन आवगमन करने वाले यात्रियों को उठाना पड़ता है।

प्रतिदिन 6.86 लाख लीटर पानी सड़क पर बहाया जा रहा है

प्रदूषण के असली कारणों को देखे बिना यह सिर्फ पानी की बबार्दी?

मुंबई : मुंबई मनपा ने वायु प्रदूषण से लड़ाई के लिए 'जलवायु' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सड़कों की धूल को खत्म करने के लिए पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जिसे एक तरह से मुंबई में पानी की बबार्दी भी कहा जा सकता है। प्रतिदिन ६.८६ लाख लीटर पानी सड़क पर बहाया जा रहा है, लेकिन प्रदूषण के असली कारणों को देखे बिना यह सिर्फ पानी की बबार्दी साबित हो रही है। गड्ढे से भरी सड़कें, बंद पड़ी सड़कें और हर कोने में ट्रैफिक जाम के चलते वायु प्रदूषण और भी बढ़ रहा है, लेकिन मनपा के लिए इन समस्याओं का हल कुछ ज्यादा पानी से नहीं मिल सकता।

महानगरपालिका के पास १०० पानी के टैंकर हैं, जिनमें ५,००० और ९,००० लीटर वाले टैंकर शामिल हैं। ये हर दिन २४८ किमी लंबी सड़कों की सफाई में लगे रहते हैं। ९५ मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें ई-स्वीपर से लेकर मिस्ट वैष्ठनन तक सभी कुछ शामिल हैं, लेकिन क्या यह उपाय सड़कों के गड्ढों को भरने और ट्रैफिक जाम को खत्म करने में सक्षम है? जवाब शायद 'नहीं' ही होगा।

पानी तो बह रहा है, लेकिन गड्ढों का क्या? क्या पानी से ट्रैफिक जाम रुक सकता है? मनपा ने प्रदूषण के खिलाफ कदम तो उठाया है, लेकिन सिर्फ पानी बहाने तक ही यह बात सीमित रह गई है। सड़कों पर पड़े गड्ढे और की धीमी यातायात गति के चलते प्रदूषण बढ़ रहा है, पर क्या मनपा इस पर ध्यान देगी? शायद नहीं।

जब तक सड़कों के सुधार और यातायात व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जाता, तब तक इस पानी की बबार्दी का क्या फायदा? मनपा का प्रदूषण रोकने का उपाय सिर्फ मजाक बनकर रह गया है, क्योंकि असली समाधान पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया गया।

मनपा में नर्सरी का प्रवेश एक जनवरी से आयबी, सीबीएसई, आईसीएसई और आयजीसीएसई माध्यम में दाखिला

मुंबई : मनपा द्वारा चलाए जा रहे आयबी, सीबीएसई, आईसीएसई और आयजीसीएसई के 21 स्कूलों में 1 जनवरी से नर्सरी क्लास के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो रही है। मनपा के इन स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए अभिभावक आन लाइन फॉर्म भर सकेंगे। मनपा के इन 21 स्कूलों में नर्सरी के लिए कुल 1242 जगह उपलब्ध है। मनपा प्रशासन द्वारा सीबीएसई और आई बी बोर्ड के स्कूल शुरू किए जाने के बाद इन स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए बड़ी संख्या में बच्चे आगे आ रहे है।

मनपा प्रशासन ने इसी के चलते स्कूलों में प्रवेश देने के लिए ऑन

लाइन प्रवेश प्रकिया शुरू की है और अधिक बच्चों की संख्या होने पर लॉटरी द्वारा बच्चों का प्रवेश दिया जाता है। मनपा की 18 स्कूल सीबीएसई बोर्ड की है जबकि आईबी, आयसीएसई, आयजीएसई, प्रत्येक के एक एक इस तरह कुल 21 स्कूल है। मुंबई में वर्ष 2020 में जोगेश्वरी के पूनम नगर में पहली सीबीएसई का स्कूल शुरू किया गया था। इस स्कूल के शुरू होने पर लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए मनपा प्रशासन ने वर्ष 2021 में 10 और सीबीएसई बोर्ड के स्कूल शुरू किया। इसके साथ ही तीन अन्य बोर्ड आईबी, आईसीएसई, और आईजीसीएसई के स्कूल शुरू किए गए।

मनपा के इन स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए अभिभावक बड़े पैमाने पर मनपा की ओर आकर्षित हुए हैं। मनपा प्रशासन ने पहले पहली कक्षा से चलाने वाले स्कूल में बच्चों की अच्छी शिक्षा देने और अभिभावकों की मांग को देखते हुए मनपा ने इन स्कूलों में नर्सरी और बालवाड़ी जैसे क्लास की शुरूआत की। मनपा के केंद्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंडल के इन स्कूलों में बच्चों को प्रवेश के लिए बड़ी मांग बढ़ी है। मनपा के इन स्कूलों में प्रत्येक कक्षा में 40 बच्चे होंगे। ऑनलाइन के द्वारा इन स्कूलों में प्रत्येक कक्षा के लिए 30 बच्चों का प्रवेश होगा, जबकि 10 बच्चों का प्रवेश आरक्षित रखा गया है।

मुंबई : छोटा राजन बिल्डर पर गोलीबारी के मामले में बरी

मुंबई : महाराष्ट्र संगठित अपराध अधिनियम (मकोका) की विशेष अदालत ने अंडरवर्ल्ड डॉन राजेंद्र सदाशिव निकालजे, जिसे छोटा राजन के नाम से भी जाना जाता है, को अंधेरी के एक बिल्डर पर 2008 में की गई गोलीबारी के मामले में बरी कर दिया। 2008 में बिल्डर पर गोलीबारीः मकोका अदालत ने छोटा राजन को बरी किया । इस मामले में गिरफ्तार राजन के चार कथित सहयोगी कमर रशीद उर्फ मोनू उर्फ मुन्ना अब्दुल रशीद सिद्दीकी, 22, परवेज अख्तर तजमुल हुसैन सिद्दीकी, 34, अनीस अनवर उल हक खान, 34, और असगर राजाबली खान, 30, पहले ही मुकदमे का सामना कर चुके हैं, और 2010 में, उनमें से तीन को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी, जबकि चौथे, असगर खान को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था।

इस मामले में बिल्डर के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें राजन के सहयोगियों को नामजद किया गया था और उन पर भारतीय शस्त्र अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत हत्या के प्रयास सहित विभिन्न आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

हीरा व्यापारी धोखाधड़ी... पिता पुत्र पर बीकेसी पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई : बीकेसी पुलिस ने हीरा व्यापारी से ठगी करने के मामले में पिता पुत्र पर एफआईआर दर्ज किया है। दोनों पिता पुत्र खुद को डायमंड व्यापारी बताते थे और पांच सालों से शिकायतकर्ता के संपर्क में थे। उन्होंने क्रेडिट पर डायमंड लिया और पैसे देने के समय दोनों गायब मिले, जब शिकायतकर्ता उन्हें ढूंढने दफ्तर पर गए तब दफ्तर बंद मिला और कोई जानकारी नहीं मिली। जिसके बाद संबंधित मामले में किशोर नरसीभाई अभंगी और मौलिक किशोर अभंगी पर एफआईआर दर्ज करवाई गई।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हीरा व्यापारी और के. आरिन ज्वेल्स के मालिक प्रियांक शाह ताड़देव में रहते हैं और बीकेसी में भारत डायमंड

बोर्स से अपना कारोबार चलाते हैं। उनके भाई सुदीप शाह आर्यन इम्पेक्स नाम से इसी तरह का कारोबार चलाते हैं। दोनों कई सालों से हीरे के कारोबार में लगे हुए हैं।

सितंबर 2024 में किशोर लिंबासिया नाम के एक हीरा दलाल ने प्रियांक शाह को पांच साल से परिचित आरोपी किशोर अभंगी से मिलवाया, जो सूरत और बीकेसी में मुख्यालय वाले पार्थ डायमंड्स के निदेशक हैं। परिचय के बाद दोस्ताना कारोबारी संबंध बन गए। 18 सितंबर 2024 को किशोर लिंबासिया पिता पुत्र किशोर और मौलिक अभंगी को शाह के कार्यालय में लेकर आए। उन्होंने दावा किया कि उनके पास एक उच्च-मूल्य वाला ग्राहक है, जिसे प्रीमियम-गुणवत्ता वाले हीरे की आवश्यकता है। लिंबासिया ने उनके लिए गारंटी दी और प्रियांक शाह से क्रेडिट पर हीरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। दलाल और पिछले लेन-देन पर भरोसा करते हुए, शाह ने अभंगी को 1.92 करोड़ रुपये का 459 कैरेट हीरे सौंप दिए। आरोपी ने शाह को कुछ दिनों के भीतर पैसे देकर सौदा पूरा करने का आश्वासन दिया।

मैंग्रोव के विनाश को लेकर अज्ञात पर मामला दर्ज

म्यूज फाउंडेशन की मेहनत रंग लाई...

ठाणे : ठाणे के बालकुम-कोलशेत क्षेत्र में मैंग्रोव के विनाश और मलबा डंपिंग के मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ राजस्व विभाग ने एफआईआर दर्ज कराई है। यह कार्रवाई म्यूज फाउंडेशन, एक युवा पर्यावरण संगठन, की शिकायत के बाद की गई है, जो 2021 से इस मामले पर काम कर रहा है।

बता दें कि पिछले पांच सालों से मलबा डंपिंग और भूमि समतलीकरण की प्रक्रिया चल रही थी, जिससे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा है। 6 जून 2024 को वन और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान मैंग्रोव के विनाश और अवैध मलबा डंपिंग का दस्तावेजीकरण किया गया। इसके बाद 6 सितंबर 2024 को कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत एफआईआर (संख्या 0760) दर्ज की गई। उल्लंघन सर्वे नंबर 38 और 59 में पाए गए, जो एक निजी संस्था और महाराष्ट्र सरकार के स्वामित्व वाले क्षेत्र हैं। 26 दिसंबर 2024 को पर्यावरणविद् और म्यूज फाउंडेशन के सदस्य निशांत बांगेरा को ईमेल के माध्यम से एफआईआर दर्ज करने और कार्रवाई की जानकारी दी गई।

म्यूज फाउंडेशन ने इन अवैध गतिविधियों का दस्तावेजीकरण किया है और तत्काल कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने कहा, ''कपूरबावड़ी पुलिस को अपनी जांच तेजी से पूरी कर दोषी भूमि मालिकों को गिरफ्तार करना चाहिए।

भायंदर में बनेगा एस टी स्टैंड

मीरारोड : महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एस टी महामंडल, आरटीओ के अधिकारियों एवं मनपा आयुक्त के साथ एक संयुक्त बैठक की है। भायंदर (पश्चिम) स्थित एसटी की जगह बहुत ही भयानक स्थिति में हैं और इस जगह पर यह कर्मचारी जान जोखिम में डाल कर काम करने के लिए मजबूर है। इसी मामले की गंभीरता को लेकर इस बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में एसटी स्टैंड के लिए रिजर्व जगह पर जल्दी ही काम की शुरूआत करके एक इमारत का निर्माण किया जाने वाला है। यह जगह सीआरजेड बाधित है परन्तु जहां पर सीआरजेड लागू नहीं है उस जगह पर इमारत का निर्माण किया जायेगा। इस इमारत में आधी जगह मनपा को मच्छी मार्केट के लिए दी जाएगी। इस इमारत के लिए 136 करोड़ की लागत आएगी, जिसमें कुछ राशि मनपा देगी बाकी की रकम राज्य सरकार से लाने का प्रयास किया जाएगा। अभी जहां पर एसटी मंडल की आफिस है वह जगह तोड़ कर वहां पर वैकल्पिक तौर पर कंटेनर रख एसटी कर्मचारियों के लिए कार्यालय बनाया जाएगा। सरनाईक ने बताया कि भायंदर में आरटीओ के लिए बहुत दिनों से जगह की मांग हो रही थी जिसके लिए हमने तहसीलदार से बात की थी और उन्होंने हमें इसके लिए जगह उपलब्ध करा दी है।

धूल प्रदूषण को रोकने अब मैदान में उतरी एमएमआरडीए

मुंबई : बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए मनपा के बाद अब एमएमआरडीए भी मैदान में उतर गई है। एमएमआरडीए ने निर्माण स्थलों से उत्पन्न होने वाले धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह कदम मुंबई की वायु गुणवत्ता को सुधारने और शहरी विकास को स्थिर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। एमएमआरडीए ने अपने दिशा- निर्देशों में निर्माण कार्यों पर निगरानी, मलबे का प्रबंधन, निर्माण साइटों पर से वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण और धूल को नियंत्रित करने के लिए तात्कालिक उपायों को कठोरता से लागू करने का निर्देश दिया गया है। इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि अथॉरिटी पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान के साथ अपने विकासात्मक प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा- निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए एमएमआरडीए ने जुमार्ने की व्यवस्था की है। इन दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर पहली बार में 5 लाख जुमार्ना और पुनरावृत्ति पर 20 लाख जुमार्ना और कार्य निलंबन की सजा दी जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा एमएमआर का विकास हमारी पर्यावरणीय प्राथमिकताओं के साथ मेल खाना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री और एमएमआरडीए के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने कहा एमएमआर की वायु गुणवत्ता में सुधार हम सभी के लिए प्राथमिकता है। यह उपाय हमारी सरकार की स्थिर और स्वस्थ शहरी पारिस्थितिकी प्रणाली बनाने की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। एमएमआरडीए द्वारा उठाए गए कठोर कदम निर्माण कार्यों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण होंगे। विकासात्मक परियोजनाओं को लागू करते हुए हम पर्यावरण की सुरक्षा पर भी समान रूप से ध्यान दे रहे हैं। हम एक साफ और शाश्वत एमएमआर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमएमआरडीए आयुक्त संजय मुखर्जी ने कहा स्वच्छ हवा सुनिश्चित करना एक साझा जिम्मेदारी है। यह दिशा-निर्देश एमएमआरडीए की सक्रिय पहल को दशार्ते हैं, जो तीव्र बुनियादी ढांचा विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए है।

ठाणे : एक बुजुर्ग की हत्या के सिलसिले में 54 वर्षीय व्यक्ति और उसके 17 वर्षीय किशोर बेटे को गिरफ्तार

ठाणे : चार महीने बाद, ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने एक बुजुर्ग की हत्या के सिलसिले में 54 वर्षीय व्यक्ति और उसके 17 वर्षीय किशोर बेटे को गिरफ्तार किया। मृतक के शव को एक बैग में रखकर 15 अगस्त को मुंबई-अहमदाबाद रोड पर स्थित वराप गांव में जमीन पर फेंक दिया गया था। आरोपियों की पहचान कल्याण के वराप गांव निवासी 54 वर्षीय अजय कुमार मिश्रा और अपराध में शामिल उसके 17 वर्षीय बेटे के रूप में हुई है। मृतक की पहचान कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके के निवासी और सेवानिवृत्त मर्चेंट नेवी अधिकारी मुकेश श्याम सुंदर कुमार (65) के रूप में हुई है।

पूछताछ के दौरान, पुलिस ने खुलासा किया कि मुकेश को जहर दिया गया था और फिर उसके शव को बैग में भरकर फेंक दिया गया था। 15 अगस्त को, एक स्थानीय निवासी ने कल्याण तालुका पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत वराप गांव में जमीन पर एक बैग में शव पाया। यह खोज तब हुई जब निवासी प्रकृति की सैर के लिए वहां गया था। पुलिस मौके पर पहुंची, शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया। इसके बाद, अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के लिए स्थानीय अपराध शाखा सहित चार टीमों को नियुक्त किया गया। जांचकताओं ने आस-पास के इलाके से 100 से अधिक सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की समीक्षा की, घटनास्थल का निरीक्षण किया, पंचनामा बनाया और स्थानीय मुखबिरों को शामिल किया। कांस्टेबल प्रकाश साहिल ने मृतक की पहचान, उसके निवास और उसके बच्चों के विदेश में रहने के तथ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की। पूछताछ के दौरान, पुलिस ने खुलासा किया कि मुकेश को जहर दिया गया था और फिर उसके शव को बैग में भरकर फेंक दिया गया था। 15 अगस्त को, एक स्थानीय निवासी ने कल्याण तालुका पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत वराप गांव में जमीन पर एक बैग में शव पाया। यह खोज तब हुई जब निवासी प्रकृति की सैर के लिए वहां गया था। पुलिस मौके पर पहुंची, शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया। इसके बाद, अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के लिए स्थानीय अपराध शाखा सहित चार टीमों को नियुक्त किया गया। जांचकताओं ने आस-पास के इलाके से 100 से अधिक सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की समीक्षा की, घटनास्थल का निरीक्षण किया, पंचनामा बनाया और स्थानीय मुखबिरों को शामिल किया। कांस्टेबल प्रकाश साहिल ने मृतक की पहचान, उसके निवास और उसके बच्चों के विदेश में रहने के तथ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की।

झोपड़पट्टियों में बुनियादी सुविधाएं देने में फेल हो रही है मनपा

मुंबई : मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वाली महिलाओं पर किए गए एक सर्वे में चौंकने वाली जानकारी सामने आई है। इस सर्वे ने मनपा की सच्चाई को उजागर कर दिया है। इसमें पाया गया है कि मनपा झोपड़पट्टियों में बुनियादी सुविधाएं देने में फेल हो रही है, जिसकी मार यहां रहनेवाले लोग झेल रहे हैं। आलम यह है कि झोपड़ों में रहने वाली ३० फीसदी किशोरियां और युवतियां मासिक धर्म पर सालाना १.५ हजार रुपए खर्च करती हैं।

उल्लेखनीय है कि इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज द्वारा सर्वेक्षण जून से लेकर सितंबर तक किया गया। इस बीच १२ से २४ वर्ष की १,२७५ और १५ से २४ आयु के ५८५ किशोर-युवकों के जवाब पर आधारित डेटा संकलित किया गया। इसमें पाया गया कि झोपड़ियों में रहने वाले लगभग ३० फीसदी लोग सुविधाओं की कमी के कारण मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं पर सालाना १,५०० रुपए खर्च करते हैं। इसमें यह भी पाया गया कि केवल ९.७ फीसदी ने मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के लिए सरकारी सुविधा से देखभाल और उपचार लिया। इसी तरह ३५ फीसदी ने घरेलू उपचार पर भरोसा किया और ३० फीसदी ने निजी देखभाल पर खर्च किया। आईआईपीएस के आंकड़ों में इस साल ९३.५ फीसदी की पहुंच मासिक धर्म में स्वच्छता उत्पादों तक थी, जबकि एक दशक पहले यह पहुंच ७०.८ फीसदी थी। सर्वे में बताया गया है कि आज भी कई मिथक हैं और ४१.३ फीसदी उत्तरदाताओं का मानना है कि मासिक धर्म के दौरान युवतियां अशुद्ध नहीं होती हैं।

सर्वेक्षण में ७२.८ फीसदी उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि महिलाएं इस दौरान रसोई में प्रवेश कर भोजन पका सकती हैं। सर्वेक्षण में योगदानकर्ता डॉ. अपराजिता चट्टोपाध्याय के मुताबिक, ८९.१ फीसदी महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अपने सामान्य सोने के स्थान तक पहुंच थी। इसी तरह १९.५ फीसदी का मानना था कि ऐसे समय में पूजास्थल पर जाना या किसी शुभ समारोह में भाग लेना स्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण सभी वर्गों में मौजूद हैं और समृद्ध समाजों में भी ये दृष्टिकोण बने हुए हैं।

मध्य रेलवे के स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध

मुंबई : वर्ष के अंत में भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए, मध्य रेलवे ने चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम का उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित करना और स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है। प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर प्रतिबंध 29 दिसंबर रात 12.00 बजे से 02 जनवरी 2025 तक प्रभावी रहेगा। इन 14 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री प्रतिबंधित है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर लोकमान्य तिलक टर्मिनस, ठाणे, कल्याण, पनवेल, पुणे, नागपुर, नासिक रोड, भुसावल, अकोला, सोलापुर, कलबुर्गी और लातूरछूटः बुजुर्ग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक, बीमार व्यक्ति, बच्चे, अशिक्षित व्यक्ति और खुद की देखभाल करने में असमर्थ महिला यात्रियों को यात्रा में आसानी सुनिश्चित करने के लिए इनसे छूट दी गई है।

मुंबई : पिछले साल की तुलना में स्वाइन फ्लू का संक्रमण इस साल दोगुनी रफ्तार से बढ़ा

मुंबई : आमतौर पर सर्दियों में बड़ी संख्या में मिलने वाले स्वाइन फ्लू के मरीज इस साल लगातार मिल रहे हैं। नतीजतन, पिछले साल की तुलना में स्वाइन फ्लू का संक्रमण इस साल दोगुनी रफ्तार से बढ़ा है। इस साल राज्य में २,३४६ मरीज मिले हैं और इनमें से ७२ की मौत हो चुकी है। सबसे चिंताजनक स्थिति मुंबई की है। जहां सबसे ज्यादा रोगी मिले हैं। इसी तरह से नागपुर में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरण में हो रहे बदलाव के चलते स्वाइन फ्लू का संक्रमण बढ़ रहा है। आमतौर पर इस रोग के मरीज सर्दियों में पाए जाते हैं, लेकिन राज्य में पूरे साल छिटपुट रूप से मरीज मिल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले साल राज्य में स्वाइन फ्लू के १२३१ मामले सामने आए थे और ३२ की मौत हुई थी, लेकिन इस साल यह दोगुना हो गया है। राज्य में २०२४ में अब तक २३ लाख ५६ हजार ४०३ मरीजों की फ्लू जांच हो चुकी है। इसमें ६ हजार ४३ संदिग्ध मरीज मिले, संदिग्ध मरीजों में से २,३४६ में संक्रमण की पुष्टि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, इसमें सबसे ज्यादा ७८५ मरीज मुंबई में, इसके बाद पुणे में ३६२ मरीज, ठाणे में २८० मरीज, नासिक में २७४ मरीज, कोल्हापुर में २६८ मरीज और नागपुर में १२२ मरीज मिले हैं।

उरण फाटा-नवी मुंबई मनपा मुख्यालय रोड से परेशान हैं रहिवासी

नवी मुंबई : उरण फाटा से नवी मुंबई मनपा मुख्यालय तक सड़क के दोनों तरफ आवासीय परिसर है। जबकि इसी रोड पर स्थित अपोलो अस्पताल में मरीजों का तांता लगा रहता है। आवासीय परिसर में केंद्र सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए बने एकता विहार, नीलगिरी, नवी मुंबई पुलिस आयुक्त बंगला, हिल व्यू, निलसिद्धि, भीमाशंकर काम्प्लेक्स, एयर इंडिया कॉलोनी व आयकर कॉलोनी आदि का समावेश है। इन परिसरों में लगभग लाखो लोग रहते है। इन सभी का निकास दिन में करीब चार से पांच बार सड़क क्रॉस करके करना ही पड़ता है, क्योंकि सभी का निकास नेरुल के तरफ जरूरत की हर वस्तुओं के लिए पड़ता ही है। यही नहीं सड़क के किनारे ही रेयान इंटरनेशनल स्कूल होने से इन सभी कॉलोनियों के हजारों बच्चे प्रतिदिन व्यस्त सड़क पारकर स्कूल आते-जाते है। बता दें कि इस सड़क मार्ग पर 24७7 घण्टे बड़े वाहन जिसमें डम्पर, ट्रेलर और भारी सामानों से लदे ट्रक आदि स्पीड से क्रॉस करते है। इस कारण से प्रतिदिन कई सड़क हादसे हो रहे है। जिसकी शिकायत बेलापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज है।

मुंबईः बस में यात्रा के दौरान नाबालिग लड़की को अश्लील सामग्री दिखाने और दुर्व्यवहार के आरोप में 55 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई : बेस्ट बस में यात्रा के दौरान नाबालिग लड़की को अश्लील सामग्री दिखाने और उसके साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में 55 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। आरोपी और शिकायतकर्ता दोनों वडाला के निवासी हैं। घटना के समय शिकायतकर्ता अपनी सात वर्षीय बेटी के साथ शॉपिंग के लिए लालबाग जाने वाली बस में यात्रा कर रही थी। आरोपी काम के लिए उसी बस में अनिक अगर डिपो से परेल जा रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''लड़की आरोपी के बगल में बैठी थी। बस के दादर फ्लाईओवर ब्रिज पार करने के बाद आरोपी अपने मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने लगा।''

उन्होंने कहा कि आरोपी ने लड़की को वीडियो दिखाया और जब वह दूसरी सीट पर जाने की कोशिश कर रही थी, तो उसने कथित तौर पर उसका हाथ पकड़ लिया और उसे वीडियो देखने के लिए मजबूर किया। इसके बाद लड़की ने अपनी मां को बुलाने के लिए आवाज उठाई, जिसने आरोपी का सामना किया। मां और अन्य यात्रियों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को बुलाया। हैदराबाद पुलिस ने अल्लू अर्जुन को पेश होने के लिए कहा! अधिकारी ने बताया कि इलाके में गश्त कर रहे भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। वरिष्ठ निरीक्षक सचिन कदम ने बताया कि लड़की और उसकी मां पुलिस स्टेशन गईं और मां के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (छेड़छाड़) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com